लखनऊ में बनेगा सबसे बड़ा इन्क्यूबेटर सेंटर

जागरण संवाददाता, लखनऊ : राजधानी में देश का सबसे बड़ा इन्क्यूबेटर सेंटर खोला जाएगा। यहां पर युवाओं के आइडिया को एक्सपर्ट व इंडस्ट्री की मदद से बेहतर ढंग से नव प्रयोग में तब्दील किया जाएगा। युवा अच्छे ढंग से स्टार्टअप शुरू कर सकेंगे। लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट के पास 40 एकड़ की जमीन पर इसे स्थापित किया जाएगा। स्टार्टअप शुरू करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार सिडबी की मदद से चार हजार करोड़ का फंड इसके लिए उपलब्ध करवाएगी।

यह जानकारी यूपी के एडिशनल चीफ सेक्रेट्री आइटी व इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग संजीव सरन ने दी। वह बुधवार को आइआइएम लखनऊ में स्टार्टअप के लिए बेहतर इको सिस्टम कैसे स्थापित हो? इसके लिए आयोजित की गई कांफ्रेंस में मौजूद थे। उन्होंने बताया कि यूपी की स्टार्टअप पॉलिसी महीने भर में रिव्यू की जाएगी। अभी यूपी में स्टार्टअप के लिए किसी कंपनी को 25 लाख रुपये तक की मदद दी जाती है, लेकिन अब इस राशि को और बढ़ाया जाएगा। एडीशनल चीफ सेक्रेट्री संजीव सरन के मुताबिक इसमें उन्हीं कंपनियों को लाभ मिलेगा, जो यूपी की रजिस्टर्ड कंपनियां हैं।

इसमें सिर्फ आइटी सेक्टर ही नहीं बल्कि सभी सेक्टर की कंपनियों को लाभ दिया जाएगा। फिलहाल स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए यूपी सरकार काफी ठोस कदम उठा रही हैं। लखनऊ के अलावा केएनआइटी सुलतानपुर, आइआटी कानपुर, आइआइटी बीएचयू आदि में भी इन्क्यूबेटर सेंटर बनाए जा रहे हैं। युवाओं के लिए इनोवेशन कर अपना स्टार्टअप शुरू करने का सुनहरा मौका है।

बढ़ेगा स्टार्टअप

- अमौसी एयरपोर्ट के पास 40 एकड़ जमीन पर बनेगा इन्क्यूबेटर सेंटर
- अब यूपी स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए चार हजार करोड़ का बनाएगा फंड, रिव्यू होगी पॉलिसी

स्टार्टअप में अब होगा वीमेन फर्स्ट

देश में पहली बार ग्लोबल इंटरप्रिन्योरशिप सबमिट का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी नीति आयोग के अतिरिक्त सचिव यादवेंद्र माथुर ने दी। एशिया में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की थीम वीमेन फर्स्ट होगी। पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से इस पर सहमति बनी थी। इसमें 300 कंपनियां साउथ एशिया की, 300 कंपनियां अमेरिका की और 300 कंपनियां भारत की होंगी। इसके अलावा दुनिया के 300 निवेशक भी होंगे।

क्या है इन्क्यूबेशन सेंटर

इन्क्यूबेशन का शाब्दिक अर्थ है अंडा सेने की मशीन। यानी इन्क्यूबेटर या इन्क्यूबेशन सेंटर में युवाओं के अच्छे आइडिया को एक्सपर्ट नव प्रयोग में तब्दील करने में मदद करते हैं। इंडस्ट्री की इसमें पूर्ण सहभागिता होती है।

होंगे स्टार्टअप कोआर्डिनेटर

जानकारी देने के लिए कॉलेजों में अब स्टार्टअप कोआर्डिनेटर तैनात किए जाएंगे। जो बताएंगे कि अच्छे आइडिया पर वह अपनी नई कंपनी बना सकते हैं। एडिशनल चीफ सेक्रेट्री संजीव सरन ने बताया कि यह विद्यार्थियों को इनोवेशन के लिए प्रेरित करेंगे।